महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय
Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya
(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)
(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

एकाग्रता से करें शोध

संचार मीडिया अध्ययन केंद्र में प्रो. सुनीता सेनगुप्ता का विशेष व्याख्यान

वत्तव्य देते हुए सुनीता सेनगुप्ता तथा मंच पर प्रो. अनिल के राय अंकित

वर्धा दि. 12 सितंबर 2012: एक शोधार्थी को अपने चयनित विषयों के साथ जीना होगा। शीर्षक के चयन से लेकर अंतिम रिर्पोट तक पूरी एकाग्रता रखनी होगी। अंतरराष्ट्रीय स्तर के शोध पत्रिकाओं में स्थान बनाने के लिए शोध तकनीक के नियमों का पालन करना होगा। उक्त बातें प्रो. सुनिता सेनगुप्ता ने कहीं। मौका था महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय के संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र में शोध तकनीक पर आयोजित व्याख्यान का। इस मौके पर प्रो. सेनगुप्ता ने शोध विषय के शीर्षक चयन से लेकर अंतिम रिपोर्ट बनाने तक की तकनीक के बारे में छात्रों को विस्तार से जानकारी दी। अपने शोध अनुभवों का उदाहरण पेश करते हुए प्रो. सेनगुप्ता ने कहा कि मेरी शोध कल्पना पांच बार खारिज कर दी गई थी। आइआइएम कोलकाता में मैनेजमेंट फैकल्टी रह चुकीं प्रो. सेनगुप्ता ने रिसर्च डिजाइन को लेकर छात्रों विशेष जानकारी दी। वर्तमान में दिल्ली विश्वविधालय में

मैनेजमेंट फैकल्टी प्रो. सेनगुप्ता ने छात्रों से हमेशा जिज्ञासू बने रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि जो शोधार्थी अपने आप से अधिक–से अधिक सवाल करेंगे, उनका शोध उतना ही वैज्ञानिक और प्रमाणिक माना जाएगा। प्रश्नावली तैयार करने में सावधानी बरतने का सबक देते हुए उन्होंने कहा कि प्रश्नावली तैयार करने के पूर्व उसका पायलट शोध जरूर कर लें। संदर्भ ग्रंथों की उपलब्धता नहीं होने की स्थिति में संबंधित क्षेत्रों के विशेषज्ञों से बातचीत एवं उनका साझात्कार बेहतर विकल्प हो सकता है। शोधार्थियों ने इस व्याख्यान में जहां अपने शोध संबंधी संशयों को दूर किया, वहीं एम. ए. के छात्रों ने शोध से संबंधित जिज्ञासा पूरी की। व्याख्यान की शुरूआत के पूर्व संचार एवं मीडिया अध्ययन केंद्र के निदेशक व अधिष्ठाता अनिल के अंकित राय ने प्रो सेन गुप्ता का औपचारिक स्वागत किया। इस अवसर पर असिस्टेंट प्रोफेसर धरवेश कठेरिया, डॉ. अख्तर आलम, रेणु सिंह, राजेश लेहकपुरे, संदीप वर्मा सहित शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित थे।

बी. एस. मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी